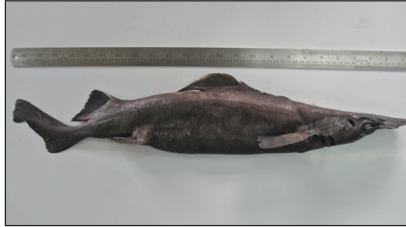


New records from Indian waters

The Arrowhead dogfish, *Deania profundorum* (Smith & Radcliffe, 1912) (Family Centrophoridae) a deep sea squalid shark previously reported only from South Africa and Gulf of Aden in the Indian ocean has been observed in the landings by the hooks and line fishing fleet from Cochin Fisheries Harbour.

The Bluntnose sixgill shark, *Hexanchus griseus* (Bonnaterre, 1788) belonging to the family Hexanchidae and previously reported only in the waters of Madagascar, Mozambique, and South Africa in Western Indian Ocean was observed in the landings by hooks and line fishing fleet from Cochin Fisheries Harbour. This is the largest hexachoid shark and forms one of the many newly exploited species of deep sea sharks of the continental slope region.

Boulenger's anthias, *Sacura boulengeri* (Heemstra, 1973) belonging to family Serranidae (subfamily: Anthiinae) was collected from trawler landings off Cochin during May and October. Although considered to be a rare species with a very restricted distribution in the Arabian Sea, recently this species has been reported from catches at Mumbai, Manglore and Neendakara fishing harbours indicating a more wide distribution.



Deania profundorum

भारतीय समुद्रों में नई भतियाँ

पहले केवल दक्षिण आफ्रिका और हिंद महासागर के ऐदन की खाड़ी में दिखाए गए गभीर समुद्र स्ववाल्लिड सुरा ऐरोहेड डोगफिश, *डीनिया प्रोफण्डोरम* (स्मित राडक्लिफ, 1912) (सेन्ट्रोफोरिडे कुटुम्ब) को कोचीन मात्स्यिकी पोताश्रय से कांटा डोर मत्स्यन द्वारा प्राप्त अवतरण में दिखाया पडा।

पश्चिम हिंद महासागर के और दक्षिण आफ्रिका के समुद्रों में दिखाए जाने वाले हेक्सान्किडे कुटुम्ब का ब्लन्टनोस छः क्लोम वाला सुरा, हेक्सान्कस ग्रीसियस (बोनाटेर, 1788) को कोचीन मात्स्यिकी पोताश्रय में परिचालित कांटा डोर



Sacura boulengeri



Hexanchus griseus

मात्स्यिकी में दिखाया पडा। यह सब से बडा हेक्सकोइड सुरा है और महाद्वीपीय ढालू क्षेत्र से विदोहित गभीर सागर सुरा जातियों में एक है।

कोचीन में मई और अक्टूबर महीनों में किए गए आनायन परिचालन में सेरानिडे कुटुम्ब (उपकुटुम्ब : आन्तीने) के बोलनोर्स आन्तियास, *साकुरा बौलनेगरी* (हीमस्ट्र, 1973) को प्राप्त हुआ। यह अत्यंत विरल जाति है और अरब सागर में यह कम मात्रा में फैली हुई है। इसे मुम्बई, मांगलूर और नीन्डकरा के मत्स्यन पोताश्रयों में व्यापक रूप से पकडा गया।